12.37 hrs.

BUSINESS OF THE HOUSE

THE DEPUTY MINISTER IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. PARTHASARATHY) : With your permission, I rise to announce the...

MR. SPEAKER : It has been circulated.

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur) : We went to say something on that.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़) : इसके सम्बन्ध में हमको कहने की अनुमति दी जाये। ...(**व्यवधान**)

श्री स० मो० बनर्जी : बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट जब यहां पर मिनिस्टर साहब एनाउन्स करते हैं तो उस पर हम लोगों को मौका दिया जाता है कि अगर कुछ कहना हो तो कह सकते हैं। ...(**व्यवधान**)

MR. SPEAKER : I have a copy before me : I thought that it had been circulated.

SHRI P. PARTHASARATHY : With your permission, Sir, I rise to announce that Government Business in this House during the week commencing Tuesday, the 18th August, 1970, will consist of :—

(1) Further discussion on the Motions regarding Elayaperumal Committee Report on Untouchability Economic and Educational Development of Scheduled Castes and the 16th, 17th and 18th Reports of the Commissioner for Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the years 1966-67, 1967-68 and 1968-69.

(2) General discussion on the Revised Budget for West Bengal for 1970-71.

(3) Discussion and voting on :

(i) Demands for Grants (West Bengal) for 1970-71.

(ii) Supplementary Demands for Grants (General) for 1970-71.

(iii) Supplementary Demands for Grants (Railways) for 1970-71.

(4) Consideration of the Resolution seeking disapproval of the Delhi University (Amendment) Ordinance, 1970 and consideration and passing of the Delhi University (Amendment) Bill, 1970, as passed by Rajya Sabha.

(5) Further consideration of the Motion by Shri Prakash Vir Shastri regarding subversive and violent activities in the country.

(6) Consideration and passing of the Patents Bill, 1967, as reported by the Joint Committee.

(7) Discussion under Rule 105 regarding land reforms to be raised at 2.00 P. M. on Wednesday, the 19th August, 1970.

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : अध्यक्ष महोदय, आप को याद होगा कि बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी में यह बात तय हुई थी कि अगले सप्ताह रशियन मैप्स के बारे में हाउस में डिस्कशन होगा। आप ने भी इस बात को माना था कि अगले सप्ताह रशियन मैप्स के बारे में अवश्य डिस्कशन होगा। लेकिन दुःख की बात यह है कि सरकार ने उस चीज का नाम तक नही लिया है जबकि अगले हफ्ते इस पर हाउस में डिस्कशन कराने का उसने फर्म कमिटमैंट हुआ था कि अगले सप्ताह वह जरूर आयेगा बाकी अगले सप्ताह वह कौन से दिन हाउस में डिस्कशन के लिए आयेगा इसे सरकार पर आप ने छोड़ दिया था। लेकिन दुःख की बात है कि इस को सरकार ऐवाएड करना चाहती है क्योंकि यह उनको सूट नहीं करता है।

पेटेंट्स बिल के बारे में चर्चा नहीं हुई थी। इसके बारे में पहली मीटिंग में तय हुआ था कि 10 घण्टे दिये जायेंगे तो उस पेटेंट्स बिल को तो अगले हफ्ते की कार्यसूची में आखिर में डाल दिया गया लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जिसका फर्म कमिटमैंट था और सब की एक राय थी कि वह अगले हफ्ते जरूर लिया जाये वह इस कार्यसूची में नहीं है। मैं अध्यक्ष महोदय, आप से प्रार्थना करूंगा कि आप इस

कमिटमैंट को ग्रोनर करायें ग्रौर ऐज ए स्पीकर ग्राप सरकार से कहें कि वह कमिटमैंट को ग्रोनर करते हुए इसे ग्रगले हफ्ते जरूर डिस्कशन के लिए प्रोग्राम में शामिल कर दे।

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : ग्रध्यक्ष महोदय, ग्राप को मैंने जैसे कल भी निवेदन किया था और ग्राज फिर दुहराना चाहता हूं कि श्री पार्थ-सारथी ने जो अगले सप्ताह की कार्यसूची के सम्बन्ध में जानकारी सदन को दी है उसमें कहने को तो उन्होंने हिंसात्मक गतिविधियों ग्रौर तोड़फोड़ वाले प्रस्ताव को उसमें शामिल कर लिया है लेकिन निवेदन मेरा यह है कि पूरे सप्ताह वह प्रस्ताव लोकसभा की कार्यसूची में छपता रहा है पूरे सप्ताह भर वह आइटम लोकसभा की कार्यसूची में ग्राता रहा लेकिन अगले सप्ताह की जो कार्यसूची ग्रभी उप-मंत्री महोदय ने पढ़ कर सुनाई है उस से न तो दिन का पता चलता है और न ही समय का पता चलता है कि किस दिन ग्रौर कब वह लिया जायेगा। इससे प्रतीत होता है कि सरकार जानबूझकर इसकी उपेक्षा करना चाहती है। इसलिए एक तो मैं ग्राप के माध्यम से संसद कार्य उप-मन्त्री जी से यह कहना चाहूंगा कि वह उस पर हाउस में विचार कराने के लिये कोई दिन ग्रौर समय नियत करें।

दूसरी बात मै यह कहना चाहता हूँ कि जब शिक्षा मंत्री श्री चागला यहाँ पर थे तो उन्होंने इस सदन में आश्वासन दिया था कि बनारस हिन्दू युनिवरसिटी ग्रौर अलीगढ़ मुस्लिम युनिवरसिटी के संबंध में एक ही जैसे विधेयक ग्रायेंगे। बनारस हिन्दू युनिवरसिटी का विधेयक आया ग्रौर स्वीकृत भी हो गया। हमें यह पता चला है कि ग्रलीगढ़ मुस्लिम युनिवरसिटी का विधेयक सरकार ने तैयार कर लिया है। लेकिन कुछ एक इस प्रकार का दबाव पड़ रहा है जिसकी कि वजह से सरकार सदन में इस विधेयक को नहीं लाना चाहती। मैं चाहता हूं कि चूंकि वह केन्द्रीय विश्वविद्यालय है इसलिए वह जरूर ग्राना चाहिए।

ग्रन्तिम बात मैं यह कहना चाहता हूं कि यह जनतंत्र के लिए बहुत बड़े खतरे की घण्टी है जैसे कि इस देश में हवा फैल रही है कि सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख न्यायाधीश के संबंध में केन्द्रीय सरकार ग्रपने विचार बदलने जा रही है। मैं चाहता हूँ कि वित्त मंत्री भी यहां पर उपस्थित हैं ग्रौर वह इस बात का ग्राश्वासन दें कि जो परम्परा ग्रभी तक सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख न्यायाधीश की नियुक्ति की रही है उसमें ग्राप कोई परिवर्तन नहीं करने जा रहे हैं। क्योंकि ग्रगर यह इस तरह से ग्रस्थिरता बनी रहने दी गई तो देश में इससे बड़ा ग्रसतोष व्याप्त हो जाएगा।

SHRI S. M. BANERJEE : In the Business Advisory Committee it was decided that next week we should have a discussion at least for one hour regarding the interim relief to the Government employees; it was supported by Shri Madhok and all others who were present there (*Interruption*)

MR. SPEAKER : That is a short item; we can adjust it.

SHRI S. M. BANERJEE : On the 18th, thousands of Government employees are going to demonstrate before the Pay Commission. It is an important matter; it should be taken up. I am surprised it has not been provided for.

My second submission is this. I am happy that you have kindly allowed a discussion on land reform movement on the 19th at 2.0 p. m. What I feel is that tomorrow being the 15th August, if the Prime Minister is sincere and honest about her declaration outside Parliament, let her make a statement today here She should make a statement today on the eve of the Independence Day regarding land reform, so that the country may know what she means. Also, there should be a statement by the Home Minister about the reinstatement of Delhi policemen.

SHRI SAMAR GUHA (Contai) : The

[Shri Samar Guha]

Minister has submitted a report on the National Library in Calcutta. There have been a lot of complaints by eminent teachers and others in West Bengal in this regard and they have written a letter to the Education Ministry. Some time should be allotted for discussing it, particularly the Khosla Committee report on the National Library.

श्री शिव चन्द्र झा (मधुबनी) : अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत संक्षेप में केवल तीन बातें आप के सामने रखना चाहता हूँ। पहली तो यह कि इस सत्र के प्रारम्भ होने के समय से ही अखबारों में यह बात आई थी कि प्रिवीपर्स को समाप्त करने वाला विधेयक सरकार द्वारा 19 अगस्त को लाया जायेगा लेकिन अब कुछ ऐसा देखने में आ रहा है कि सरकार इसको लाने के बारे में टालमटोल कर रही है। इसके लिए एक दलील यह दी जा रही है कि सभी दलों के संसद् सदस्यगण इस समय यहां पर मौजूद नहीं हैं भूमि छुड़ाओ आन्दोलन के कारण अनेकों संसद् सदस्य जेलों में बन्द हैं और इस समय यदि सरकार द्वारा यह विधेयक पास कराने के लिए लाया गया तो सरकार को उनके वोट्स न मिल सकेंगे। अगर यह बात हो तो मैं सुझाव दूंगा कि प्रेसीडेंट्ल आर्डर के जरिए उन्हें एमेनेस्टी दिलाई जाय और वह सब संसद् के सदस्यगण यहां उपस्थित होकर इस विधेयक को पास करा दें। मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि वह इस प्रिवी पर्स समाप्ति संबंधी विधेयक कब सदन में पास कराने के लिए ला रही है ?

चौथी पंचवर्षीय योजना पर बहस के लिए 15 घंटे का समय रक्खा गया हैं लेकिन यह पता नहीं कि अगले सप्ताह सरकार उसे पेश करेगी भी या नहीं। मुझे तो ऐसा लग रहा है कि उसको टालने का प्रयास हो रहा है।

आखिरी बात मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि श्री कुमार मंगलम को जो चीफ जस्टिस बनाने की बात आई है तो इस बारे में जो पुरानी परम्परा है वह टूटनी नहीं चाहिए। उसी पुरानी परम्परा को हमें बनाये रखना चाहिए।

SHRI N. R. PATIL (Bhir) : *spoke in Marathi.***

MR. SPEAKER : This is being done without prior permission. It will not go on record.

SHRI S. M. BANERJEE : He wanted to make a submission for next week's business. He wants a statement by the Health Minister for a medical college in a particular place. He is one of our national heroes who took part in the August 1942 movement. He speaks perhaps only once a year. (*Interruptions*).

अध्यक्ष महोदय : जब भी ऐसी कोई बात कहनी हो उस भाषा में जिस का साइमल्टेनिअस ट्रांस्लेशन नहीं हो रहा है तब कम से कम उसकी नोटिस तो देनी चाहिये ताकि पता हो कि माननीय सदस्य क्या कहना चाहते हैं। इस के बारे में न तो रिपोर्टर्स को पता है और न दूसरों को ही।

श्री मनु भाई पटेल (डभोई) : मैं इस का ट्रांस्लेशन कर देता हूं।

अध्यक्ष महोदय : पता नहीं वह क्या कहेंगे और आप क्या कहेंगे।

श्री अब्दुल गनी डार (गुड़गांव) : मैं यह अर्ज करना चाहता हूँ कि रशियन गवर्नमेंट ने जो अपनी इंसाइक्लोपीडिया निकाली है उस के नक्शों पर बहस करने की यहां पर इजाजत दी जाये।

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur) : In Mysore and several parts of Andhra a serious drought situation is prevailing. I want to know whether government would find some time for a discussion on that subject.

**Not recorded.

SHRI K. N. TIWARY (Bettiah) : Every party has a representative in the BAC. So, members can ask their representative to raise these points in the BAC. This is very novel procedure that every day every member stands up and wants a discussion on some subject.

MR. SPEAKER : Yes, members can ask their party leaders to raise these questions in the meeting of the BAC rather than raising them here.

श्री कंवर लाल गुप्त : मैंने तो आप से सवाल किया है। यह बड़ा अहम सवाल है, इस लिए आप से पूछ रहा हूं।

अध्यक्ष महोदय : सभी लोग मुझसे सवाल कर रहे हैं।

श्री कंवर लाल गुप्त : आप ने यह कमिटमेंट किया है कि अगले सप्ताह रशियन मैप पर डिस्कशन होगा और बी० ए० सी० ने भी यह फैसला दिया है। तब उन्होंने क्यों उसको रक्खा? इस तरह से बिजिनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक बुलाने से क्या फायदा होगा?

अध्यक्ष महोदय : मेरा भी ख्याल यही है कि कोई जरूरत नहीं है क्योंकि उस पर अमल भी तो नहीं किया जाता है।

श्री कंवर लाल गुप्त : हम तो अमल करते हैं।

अध्यक्ष महोदय : बिजिनेस एडवाइजरी कमेटी का फैसला यहां थोड़ ही मंजूर होता है। उस रोज जो फैसला किया गया उससे सब कुछ गड़बड़ हो गया।

श्री कंवर लाल गुप्त : मैं अपनी पार्टी की तरफ से कह सकता हूं, सब पार्टियों की बात तो मैं जानता नहीं।

श्री स० मो० बनर्जी : हमने अपनी जिम्मेदारी निभाई है, आपने नहीं निभाई है।

श्री कंवर लाल गुप्त : यहां जो कुछ कहा गया उसका जवाब मंत्री महोदय दें। इस तरह से थोड़े ही काम चलेगा कि आप अपने मन के मुताबिक चीजें रख लें और बाकी चीजों को छोड़ दें।

श्री रणधीर सिंह (रोहतक) : बिजिनेस ऐडवाइजरी कमेटी के मेम्बरों को यहां नहीं बोलने देना चाहिए।

श्री कंवर लाल गुप्त : बिजिनेस ऐडवाइजरी कमेटी में जो फैसला हुआ उसके खिलाफ यहां किया जा रहा है। मंत्री महोदय से इसका जवाब तो दिलवाइये।

SHRI P. PARTHASARATHY : I have heard the various suggestions made by the hon. Members on many important and pressing problems. I will pass on this information to my colleagues in the Government for necessary action. Government will consider what all item could be taken up within the limited time at the disposal of the Government...(*Interruptions*)

SHRI KANWAR LAL GUPTA : You have included the Patents Bill though it was not decided in the Committee. You want to avoid this issue.

अध्यक्ष महोदय : जो बीस घंटे शेड्यूल्ड कास्ट्स और शेड्यूल्ड ट्राइब्ज की रिपोर्ट पर रक्खे गये हैं उसको ऐडजस्ट करेंगे। बीच में यह वक्त भी निकालेंगे। आप क्यों इस तरह की बात कह रहे हैं?

श्री कंवर लाल गुप्त : आप हम पर कृपा कीजिये। आप से मेरी प्रार्थना है कि आप हम को मौका दीजिये...(**व्यवधान**)...। जिस तरह से आप कर रहे हैं यह तो ठीक नहीं है। आप को इस तरह से सरकार की मदद नहीं करनी चाहिए।